2018-19

Impact Factor – 6.261 Special Issue - 131 Feb. 2019 ISSN – 2348-7143

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

UGC Approved Journal

Multidisciplinary International E-research Journal

हिंदी साहित्य में विविध विमर्श

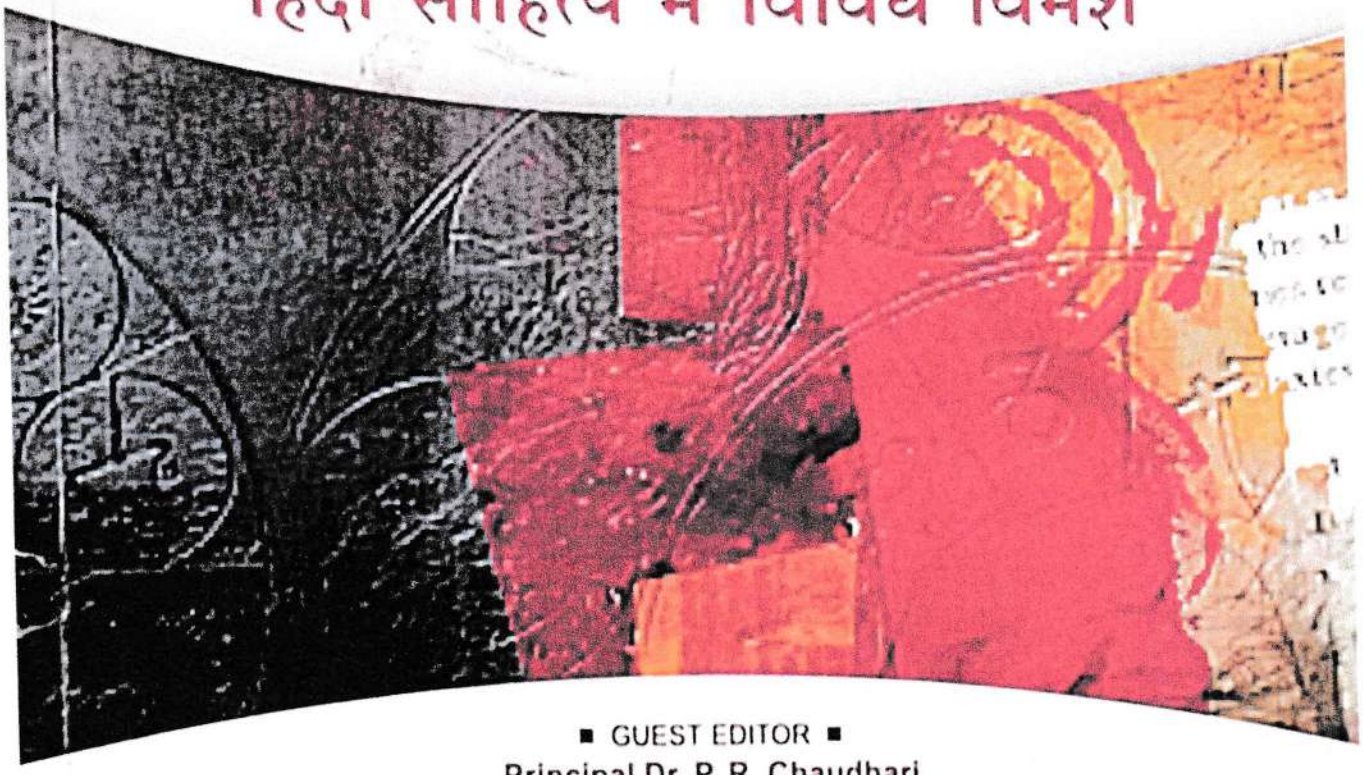

■ GUEST EDITOR ■
Principal Dr. P. R. Chaudhari

■ EXECUTIVE EDITOR ■
Dr. Vijay A. Sonje

■ ASSOCIATE EDITOR ■
Dr. Kalpana L. Patil
Dr. Ishwar P. Thakur
Dr. Satish D. Patil

■ CHIEF EDITOR ■
Mr. Dhanraj T. Dhangar

RESEARCH JOURNEY

This Journal is indexed in :

- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmoc Impact Factor (CIF)
- Global Impact Factor (GIF)
- Universal Impact Factor (UIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)
- Indian Citation Index (ICI)
- Dictionary of Research Journal Index (DRJI)

For Details Visit To : www.researchjourney.net

SWATIDHAN PUBLICATIONS

Impact Factor – 6.261 ISSN – 2348-7143

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

International E-Research Journal

PEER REFREED & INDEXED JOURNAL
March-2019 Special Issue – 164

Mahatma Gandhi's Thoughts & Its Present Relevance

Guest Editor:
Dr. C. J. Khillare
Principal
Rayat Shikshan Sanstha's
Rajarshi Chhatrapati Shahu College,
Kolhapur, Dist. Kolhapur.

Executive Editor of the issue:
Mr. S. M. Mahajan
Dr. Mrs. M. B. Desai
Mrs. M. K. Kannade
Dr. Mrs. B. S. Puntambekar
Dr. M.M. Bandhare
Mr. S.A. Jadhav
Mr. V.K. Akhade
Miss. Dr. S. R. Kulkarni
Miss. A. V. Jadhav
Mr. B. B. Ghurke

Chief Editor:
Dr. Dhanraj Dhangar (Yeola)

This Journal is indexed in :
- University Grants Commission (UGC)
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmoc Impact Factor (CIF)
- Global Impact Factor (GIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)

For Details Visit To : www.researchjourney.net

SWATIDHAN PUBLICATIONS

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

'RESEARCH JOURNEY' International E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 164 - Mahatma Gandhi's Thoughts & Its Present Relevance
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
March-2019

INDEX

No.	Title of the Paper	Author's Name	Page No.
1	Gandhi Ethical Philosophy for Humanity (A Critical Study)	Tejram Pal	12
2	Relevance of Gandhian Principles of Management and Leadership - Socio-Economic and Political View	Suvarna Kumathekar & Dr.Machhindra Sakate	18
3	Relevance of the Philosophy of Mahatma Gandhi	Mr. Mahadev Sontakke	23
4	Gandhi's Reflections on Everyday Life in India	Mr. Ganesh Narkulwad	26
5	Environmentalism : A Gandhian Perspective	Ketan Bhosale	31
6	An Economic Approaches of Mahatma Gandhi	Reshma Shirgave	35
7	Perception of Khadi among College going Student's in Kolhapur	Mr. Kuldeep Ghorapade, Dr. C. S. Kale	39
8	Economic Thoughts of Mahatma Gandhi: An Overview	Mr. Ashish Bhasme	43
9	Revisiting the 'Mahatma' through Richard Attenborough's 'Gandhi'	Dr. Sanjay Sathe	46
10	Gandhi's View on Cleanliness and Swach Bharat Abhiyan and Its Present Status	Dr. Bhagyashree Puntambekar	49
11	Nonviolence: The Weapon of Gandhiji	Mrs. Komal Oswal	54
12	Clean India Mission and Mahatma Gandhi : With Special Reference to Maharashtra	Prof. Valmik Garje	57
13	Gandhiji's Gram Vikas and Swadeshi Movement through Food Processing Industry in India	Dr. Smt. Anagha Pathak	62
14	Mahatma Gandhi's Thoughts on Women Empowerment and Its Present Relevance	Nazir Pathan & Dr. N. S. Dongare	67
15	Mahatma Gandhi's Decentralization Policy in Today's Scenario	Mrs. Priyanka Suyog Patil	71
16	भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस मधील महात्मा गांधींच्या नेतृत्वाचा उदय - एक चिकित्सक अभ्यास	प्रा. संदिप महाजन	74
17	गांधीवाद के प्रमुख आयाम – सत्य और अहिंसा	डॉ.सरोज पाटील	79
18	राहुल सांकृत्यायन के कथा साहित्य में गांधीवादी चेतना	डॉ.रविंद्र पाटील	82
19	महात्मा गांधी और अहिंसा	प्रा.अजित लिपारे	84
20	महात्मा गांधीजींच्या विचारातून, चळवळीतून घडलेली भारतीय स्त्री	रीना कांबळे	86
21	महात्मा गांधीजीची ग्रामविकास संकल्पना	प्रा.बी.आर.नदाफ	89
22	एकविसाव्या शतकातील सर्वात मोठी भेट – महात्मा गांधी	प्रा.प्रविण डांगे	93
23	महात्मा गांधी यांचे सर्वोदय, स्वयंपूर्ण खेडं याविषयीचे विचार	डॉ.के.डी.पाटील	96
24	महात्मा गांधीजींचे विज्ञानवादी विचार	मिलिंद पाटील व समाधान जाधव	100
25	सत्य व अहिंसा : महात्मा गांधीजींच्या शिकवणुकीचे मुख्य आधारस्तंभ	श्री.डी.एन.महाडिक व श्री.व्ही.के.जाधव	103
26	महात्मा गांधीजींचा आर्थिक दृष्टिकोन	डॉ.एम.बी.चौगुले	110
27	महात्मा गांधीजीच्या ग्रामीण विकासाच्या तत्वज्ञानाची सद्यस्थितीतील उपयुक्तता	सुकेशिनी जोगदंड	116
28	महात्मा गांधीच्या चळवळीतील वीरांगना अरुणा असफ अली	डॉ. सिंधू आवळे	122
	शोधनिबंधाचे नाव-महात्मा गाधीना अभिप्रेत असणारा स्वच्छता विषयक वैन्यानिक	श्री.अजितकुमार पाटील	125

'RESEARCH JOURNEY' *International E- Research Journal*
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 164 - Mahatma Gandhi's Thoughts & Its Present Relevance
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
March-2019

महात्मा गांधी और अहिंसा

प्रा. अजित विठ्ठल लिपारे
राजर्षि छत्रपति शाहु कॉलेज,
कोल्हापुर
भ्रमणध्वणी ९६५७८१६६७२
E-Mail – ajitlipare@gmail.com

'' गांधी इन्सानों में एक चमत्कार था। वे एक साथ बुद्ध और मुहम्मद की तरह पैगंबर, वाशिंग्टन और गैरीबाल्डी की तरह मुक्तिदाता, सुकरात और कन्फयूसियस की तरह शिक्षक , मार्क्स और सनतोकनीनो की तरह अर्थशास्त्री और कृष्ण तथा अशोक की तरह राजनेता थे। इसके अलावा वे एक अच्छे प्राकृति चिकित्सक, एक सफल पत्रकार और लेखक तथा एक सजग किसान भी थे।''[१]

– आइन्स्टीन

अहिंसा का सामान्य अर्थ है 'हिंसा न करना' इसका व्यापक रूप में अर्थ हो सकतो है किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन में किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वारा भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में किसी भी प्राणी की हिंसा न करना यह अहिंसा है। जैन एवं हिंदु धर्म में अहिंसा को महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता हैं। जैन धर्मों के मूलमंत्र में ही 'अहिंसा परमो धर्म:' अर्था अहिंसा परमो (सबसे बडा) धर्म कहा गया है। आधुनिक काल में महात्मा गांधी जी ने भारत की आज़ादी के लिए जो आंदोलन चलाया वह अहिंसात्मक ही था।

अहिंसा का विकास :–

सामान्यत: देखा जाय तो किसी भी प्राणी का प्राण अपहरण या उसे किसी भी प्रकार का कष्ट देना हिंसा हैं, किन्तु इस दृष्टिकोण से विचार करें तो हमें पूरी तरह से अहिंसक बनना असंभव है। हमें अपना जीवन जीते वक्त जाने–अनजाने में स्थूल रूप से हिंसा करनी पड़ती हैं। अत: युक्लिडद्वारा दिये गये बिंदु या रेखा की परिभाषा के समान एक अमूर्त सिद्धांत हैं। अपने जीवन और आश्रितों के समुचित संरक्षण के लिए हमें कम–अधिक मात्रा में हिंसा करनी ही पड़ेगी। कभी–कभी कोई मरने ही वाला है तो उसकी पीड़ा एवं द:ख को दूर करने के लिए हिंसा करनी होगी। अत: हिंसा–अहिंसा के इस विवाद में हमे यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि हम हिंसा का क्रमिक निर्मुलन और अहिंसा का कृतिम विकास ही सोच सकते है। अगर अहिंसा के तत्व का विकास करना है तो हम अपने जीवन में सहानुभूति, करूना की साधना करनी पडेगी।

व्यावहारि अहिंसा :–

गांधी जी खुद को व्यावहारिक आदर्शवादी कहते थे। इसलिए अहिंसा की कल्पना काफी लचीली थी। वे अहिंसा के अतिवाद से ग्रसित नहीं थे। व खेत में पैदा होनेवाली फसलों को नष्ट करनेवाली किड़ों आदि को बढ़ने देकर मानव की बहुमूल्य जीवनर असहाय एवं दुर्वह नहीं बनाना चाहते। तो दूसरी और अनावश्यक किसी भी प्राणी एवं वनस्पती को कष्ट नहीं देते थे। वे हमेशा जीव–जीव के स्तरों में बुद्धिपूर्वक भेद करते। अपनी दृष्टी हमेशा अहिंसा के विकास की ओर रखते थे। गांधी जी में आदर्श और व्यवहार तथा भावना और बुद्धि का समन्वय था। इसका उदाहरण देते हुए डॉ. रामजी तिवारी कहते है– ''गांधी जी ने मृत्यु के मुख में पड़े असहाय पीड़ा से कराहते हुए गाय के बछड़े को डाक्टर स कह कर जहर की सूई दिलवाकर मरवा दिया था। यह ठिक है कि डाक्टर ने यह घोषित कर दिया था कि उसकी बीमारी असाध्य है और उसकी पीड़ा उसके प्राण को द ुर्दान्त पीड़ा दे रही थी, लेकिन गोवध का यह पापा गांधी के साहस और बुद्धिवाद का परिचायक है।''[२] इसतरह मानवीय करूणा और मानवीय तर्क से ओतप्रोत गांधीजी की अहिंसा अधिक व्यावहारिक दिखाई पड़ती है।

अहिंसा और मनोविज्ञान :–

हिंसा के मूल में हमेशा भय रहता है और अहिसा उसी की अभिव्यक्ति है। सामान्यत: व्यक्ति खुद भी शांति से जीता है और दूसरों को भी जीने देना चाहते है। अहिंसक व्यक्ति निर्भय होता है वह कुछ भी करने के लिए तैयार होता है। डॉ रामजी सिंह इस संबंध में लिखते है–'' वह तो अपने प्राण की भी बाजी लगा देता है। बिना किसी द्वेष और ईर्ष्या से स्वेछापूर्वक कष्ट सहन एवं मृत्यु तक सदैव आलिंगन करनेवाला महावीर पाषाण हदय को भी सहज ही प्रीावित कर सकता है।'[३]

युद्ध और अहिंसा :–

स्वतंत्रा संग्राम के वक्त अनेक भारतीय अहिंसक रूप से अंग्रेजों की गोलियाँ और लाठीयाँ खाते रहे। इसका उन्होंने उलटा जवाब नहीं दिया। परिणामवश अंत में आक्रमण की नीचता ने आक्रमाकों को लज्जित किया। यदि आक्रमणकारी हमें एक बार या दो बार रौंद भी देगा या कुचल भी देगा तो दूसरी बार यह काम करने के लिए उसकी आत्मा उसे इजाजत नहीं दे सकेगी। इसप्रकार हमारा असहोय हमेशा रहेगा तो कोई भी शाषक हमारे उपर शाषण कर नहीं सकता क्यांकि शाषन करने के लिए शासित समाज का सहयोग आवश्यक हैं, नही तो यह असंभव हैं। अत: इसतरह से अहिंसक और वीरतापूर्ण असहोय का प्रयोग कर आखिरकार इन अंग्रेजों को स्वयं ही यहाँ से जाना पड़ा।

अहिंसा का समाजशास्त्र :–

गांधी जी के दृष्टिकोण से अहिंसा समाज और जगत् से कोई अलग चीज नहीं है। वे उस अहिंसा को बेकार या निरर्थक मानते है जो हमारी सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक औ सांस्कृति जीवन की बुराइयों का निराकरण नहीं कर सकती। गांधी जी शोषण को सबसी बड़ी हिंसा मानते है। यही शोषण हिंसा की जड़ में है, यही हिंसा की जननी है और यह स्वयं भी एक हिंसा ही है। शोषण से समाज में पारस्परिक संघार्ष, घृणा और विद्वेष फैल जाते है।

संदर्भ सूची –

१. डॉ. रामजी सिंह – गांधी दर्शन मीमांसा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, पृष्ठ – क
२. डॉ. रामजी सिंह – गांधी दर्शन मीमांसा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, पृष्ठ – ७९
३. डॉ. रामजी सिंह – गांधी दर्शन मीमांसा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, पृष्ठ – ८२

8-7143
arch-2019

...OS IMPACT FACTOR

Search Journal | Search

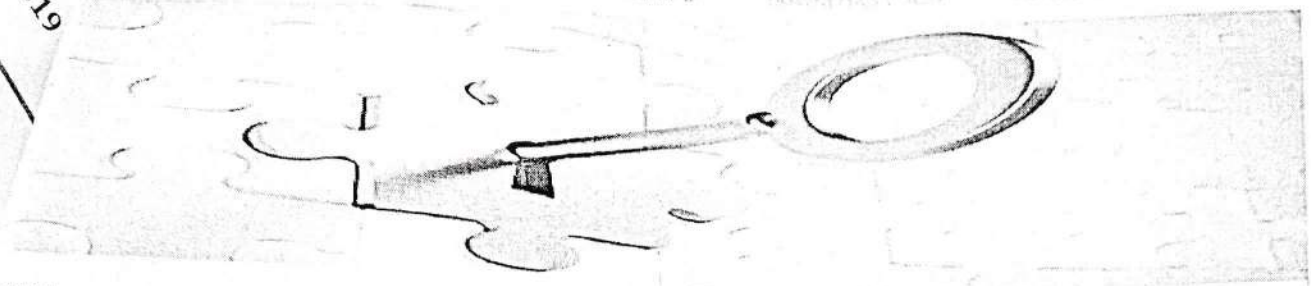

INDEXED JOURNAL SUGGEST JOURNAL REQUEST IF DOWNLOADS LOGO REVIEWER PANEL

...egory

AMPLE CERTIFICATE

AM... ...E EVALUATION SHEET

Journal Detail

Journal Name	RESEARCH JOURNEY
ISSN/EISSN	2348-7143
Country	IN
Frequency	Quarterly
Journal Discipline	General Science
Year of First Publication	2014
Web Site	www.researchjourney.net
Editor	Prof. Dhanraj Dhangar & Prof. Gajanan Wankhede
Indexed	Yes
Email	researchjourney2014@gmail.com
Phone No.	+91 7709752380
Cosmos Impact Factor	2015 : 3.452

SIF

...OBAL IMPA...

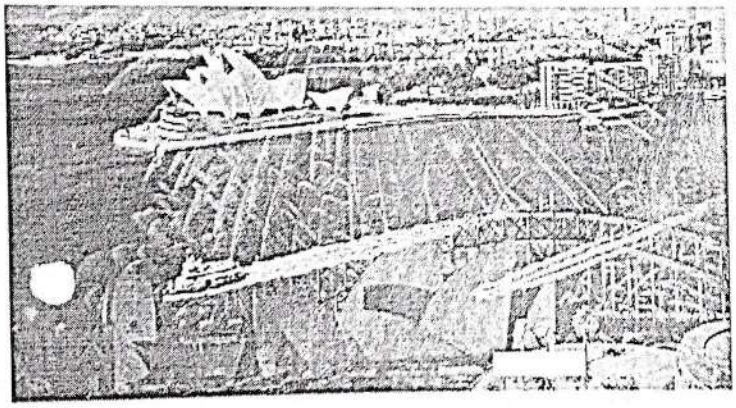

...Updates: Due to large number of application please allow us time to update your journal

Research Journey

SJIF 2018:

Under evaluation

Area: Multidisciplinary

Evaluated version: online

Previous evaluation S...

2017: 6.261
2016: 6.087
2015: 3.986
2014: 3.009

The journal is indexed in:

SJIFactor.com

Basic information

Main title	Research Journey
Other title [English]	Research Journey
Abbreviated title	
ISSN	2348-7143 (E)
URL	http://WWW.RESEARCHJOURNEY.NET
Country	India
Journal's character	Scientific
Frequency	Quarterly
License	Free for educational use
Texts availability	Free

Get Involved

- Home
- Evaluation Method
- Journal List
- Apply for Evaluation/Free Service
- Journal Search

Recently Added Journals

Research Jo...	
ISSN	2348-7143
Country	India
Frequency	Quarterly
Year publication	2014-2015
Website	researchjourney.net
Global Impact and Quality Factor	
2014	0.565
2015	0.676